संक्षिप्त समाचार

अजय देवगन ने खरीदे मल्टीबैगर रिटर्न देने वाली कंपनी के 1 लाख शेयर, 6 महीने में पैसा डबल

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन ने शेयर बाजार में बड़ा निवेश किया है। 'सिंघम' ने स्मॉलकैप स्टॉक पनोरमा स्टूडियोज़ इंटरनेशनल के एक लाख शेयर खरीदे हैं। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में तेजी देखने को मिली है।

रेगुलेटरी को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि अलॉटमेंट के जरिए 9 निवेशकों ने 24.66 करोड़ रुपये का निवेश किया है। बॉलीवुड स्टार अजय देवगन ने 274 प्रति शेयर के हिसाब से 2.74 करोड़ रुपये का निवेश किया है। बता दें, शनिवार को स्पेशल सेशन के बंद होने के बाद 949 रुपये के लेवल पर थे।

पनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल का 52 वीक हाई 970 रुपये प्रति शेयर और 52 वीक लो लेवल 91 रुपये प्रति शेयर है। वहीं, कंपनी का मार्केट कैप 1181.20 करोड़ रुपये का है।

शेयर बाजार में पनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल का प्रदर्शन पिछले 6 महीने के दौरान शानदार रहा है। इस दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 271 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। यानी पोजीशनल निवेशकों का पैसा इस दौरान दोगुना से अधिक हो गया है। वहीं, एक साल से स्टॉक को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 861 प्रतिशत का फायदा हुआ है।

1 शेयर पर 50 रुपये का डिविडेंड दे रही हैं कंपनी, रिकॉर्ड डेट इसी हफ्ते

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में डिविडेंड देने वाली कंपनियों पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। सनोफी इंडिया लिमिटेड इस हफ्ते शेयर बाजार में एक्स-डिविडेंड स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगी। कंपनी ने एक शेयर पर 50 रुपये का डिविडेंड देने का ऐलान किया है। आइए डीटेल्स में जानते हैं कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि 1 शेयर पर 50 रुपये का डिविडेंड योग्य निवेशकों को दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 7 मार्च 2024 तय किया है। यानी जिन निवेशकों का नाम इस दिन कंपनी के रिकॉर्ड बुक में रहेगा उन्हें ही डिविडेंड का लाभ मिलेगा।

लगातार डिविडेंड देती आ रही है कंपनी : कंपनी नियमित अंतराल पर डिविडेंड देती आ रही है। कंपनी ने पिछले साल 377 रुपये का डिविडेंड दिया था। 28 अप्रैल को शेयर बाजार में कंपनी एक्स-डिविडेंड स्टॉक के तौर पर ट्रेड किया था। इससे पहले 2022 में भी कंपनी ने 500 रुपये से अधिक का डिविडेंड दिया था।

शेयर बाजार में दमदार प्रदर्शन? : शनिवार को स्पेशल सत्र बंद होने के बाद कंपनी के शेयरों को भाव बीएसई में 8736.10 रुपये था।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई की कुर्सी को खतरा

एआई जेमिनी की नाकामी के बाद उठ रहे हैं सवाल, एआई की होड़ में काफी पिछड़ चुकी है गूगल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज टेक कंपनी गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के भारतीय मूल के सीईओ सुंदर पिचाई को हटाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। नवंबर 2022 में जब ओपनएआई और चैटजीपीटी रिलीज किया था तो गूगल पर दबाव बढ़ गया था। गूगल ने इसके जवाब में एआई चैटबॉट जेमिनी लॉन्च किया। लेकिन इसे अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है और यह एक तरह से हास्य का पात्र बनकर रह गया है। यही वजह है कि पिचाई पर दबाव बढ़ गया है। माना जा रहा है कि वह अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं या फिर कंपनी उन्हें निकाल सकती है। पिचाई 2022 में अमेरिका में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले सीईओ थे। उन्हें 22.6 करोड़ डॉलर की सैलरी मिली। अगर भारतीय रुपयों में देखें तो यह करीब 18,84,39,13,900 रुपये बैठती है। यानी पिचाई की रोजाना की कमाई पांच करोड़ रुपये से अधिक रही।

जेमिनी के एआई इमेज जेनरेशन टूल की इतनी आलोचना हुई कि उसने इस फीचर को अपने चैटबॉट से हटा लिया है। कंपनी का कहना है कि इसे दुरुस्त करने के बाद ही बहाल किया जाएगा। पिचाई ने भी तद्गद्धद्धठ्ठद्ध से हुई गलतियों को स्वीकार किया है। इसे ठीक किया जा रहा है और हमारी टीम लगातार इस मामले को ठीक करने के लिए 24 घंटे काम कर रही है। इस बीच गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के शेयरों में भी गिरावट आई है। इससे पहले जेमिनी के पिछले अवतार बार्ड में भी कई खामियां सामने आई थी। इससे गूगल की कल्चर पर भी सवाल उठने लगे हैं। आरोप लगाए जा रहे हैं कि कंपनी आधे-अधूरे प्रॉडक्ट्स बाजार में लॉन्च कर रही है। इस कारण अब कंपनी के सीईओ पिचाई को हटाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है।

कल्चर पर उठ रहे सवाल

दरअसल गूगल की पहचान एक ऐसी कंपनी की रही है जो ठोक-बजाकर अपना माल बाजार में उतारती है। लेकिन बार्ड और अब जेमिनी की नाकामी ने कंपनी के बारे में इस धारणा को चूर-चूर कर दिया है। निवेशकों के बीच यह धारणा बन रही है कि गूगल एआई की रेस में पिछड़ चुकी है। एनालिस्ट बेन थॉमसन ने अपने पब्लिकेशन स्ट्रैटचेरी ने कहा कि गूगल को अपनी संस्कृति में बड़ा बदलाव करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गूगल ने जेमिनी का इमेज जेनरेशन टूल को बंद कर दिया है लेकिन इसका टेक्स्ट जेनरेशन टूल भी बेतुका है। गूगल को एआई को डोमिनेट करना चाहिए था लेकिन उसकी सबसे बड़ी बाधा उसका कल्चर है। यही कारण है कि पिचाई के मैनेजमेंट पर सवाल उठ रहे हैं।

पोपलिटी एआई के सीईओ अरविंद श्रीनिवास का कहना है कि अगर पिचाई अपने पद से हटते हैं तो उन्हें ही गूगल का सीईओ नियुक्त करना होगा। इसकी वजह यह है कि वह अल्फाबेट के भी सीईओ हैं। इससे पहले हेलिओस कैपिटल के फाउंडर समीर अरोड़ा ने यह दावा किया था कि जेमिनी एआई के नाकाम होने की वजह से गूगल पिचाई को निकालने का फैसला ले सकती है। एक यूजर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर समीर अरोड़ा से एआई चैटबॉट जेमिनी को लेकर हुई कंट्रोवर्सी पर ओपनियन मांगा। इस पर जवाब देते हुए अरोड़ा ने लिखा कि पिचाई को निकाल दिया जाएगा या वे इस्तीफा दे देंगे। जेमिनी-एआई को लीड करने के बाद भी वह इस पर पूरी तरह से विफल हो गए हैं, जबकि दूसरी कंपनियों एआई में कहीं आगे निकल गई हैं।

यूट्यूब का भूत उतारने के लिए मां ने घर से निकाला, आज हैं दुनिया के सबसे बड़े यूट्यूबर, जमकर छाप रहे पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। मिस्टरबीस्ट के नाम से तो आप वाकिफ होंगे। ऑनलाइन दुनिया में जिम्मी डॉनल्डसन की पहचान मिस्टरबीस्ट के रूप में है। यूट्यूब में टी-सीरीज के बाद मिस्टरबीस्ट के सबसे ज्यादा फॉलोअर्स हैं। जिस स्पीड से उनकी फैन फॉलोइंग बढ़ रही है, वह जल्दी ही टी-सीरीज को पछाड़ देंगे। इसकी वजह यह है कि पांच महीने में भी कम समय में उनके सब्सक्राइबर्स की संख्या में 4.2 करोड़ का इजाफा हुआ है। अक्टूबर के मध्य में उनके 20 करोड़ सब्सक्राइबर्स थे जो अब 24.2 करोड़ पहुंच चुके हैं। टी-सीरीज के सब्सक्राइबर्स की संख्या 26 करोड़ है। जिम्मी डॉनल्डसन ने करीब एक दशक पहले 12 साल की उम्र में अपने यूट्यूब करियर की शुरुआत की थी। शुरुआत में उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा लेकिन आज उनके हर वीडियो पर लाखों व्यूज आते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 10 करोड़ डॉलर है।

यूट्यूब से उनकी सालाना कमाई 2.6 करोड़ डॉलर से अधिक है। वह अपने यूट्यूब चैनल्स पर विज्ञापनों के जरिए कमाई करते हैं। वह अपने मुख्य यूट्यूब चैनल के लिए 10 लाख डॉलर स्पॉन्सरशिप फीस चार्ज करते हैं। साथ ही वह हरेक महीने मर्केंडाइज के जरिए करीब 25 लाख डॉलर कमाते हैं। डॉनल्डसन का जन्म सात मई 1998 को अमेरिका में नॉर्थ कैरोलाइना के शहर ग्रीनविले में हुआ था। वह 12 साल की उम्र से यूट्यूब पर वीडियो पोस्ट कर रहे थे लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिल रही थी। माइक्रोफोन खरीदने के लिए उन्होंने एक-एक डॉलर बचाए थे। साल 2016 में उन्होंने स्कूल की पढ़ाई छोड़कर मीडिया की सबसे बड़ी पहेली को सुलझाने की कोशिश की। यह पहेली थी कि यूट्यूब पर वीडियो कैसे वायरल होता है। उस समय उनकी उम्र 16 साल थी। वह करीब पांच साल से यूट्यूब पर वीडियो पोस्ट कर रहे थे लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिल पा रही थी।

मां संभालती है अकाउंट: उन्हें लगा कि वह यूट्यूब के अलगॉरिद्म को अनलॉक करने के काफी करीब हैं। इसके बाद उन्होंने अपने कुछ दोस्तों के साथ मिलकर इस कोड को क्रैक करने की कोशिश की। डॉनल्डसन याद करते हैं, मैं हर समय यूट्यूब के बारे में सोचता था, वीडियो और फिल्ममेकिंग के बारे में सोचता था। यही मेरी दिनचर्या थी। जब उन्होंने स्कूल छोड़ा तो उनकी मां बहुत निराश हुईं। मां ने डॉनल्डसन को घर से निकाल दिया था। लेकिन डॉनल्डसन का यह फैसला रंग लाया। साल 2017 में उनके पहले वायरल वीडियो में उन्होंने अपने कमरे में एक चेयर पर बैठकर 100,000 तक गिनती की। इसमें उन्हें 40 घंटे का समय लगा। जैसे-जैसे उनके फॉलोअर्स की संख्या बढ़ने लगी उन्हें विज्ञापन भी मिलने लगे। इस कमाई को उन्होंने वीडियो बनाने पर खर्च किया और शानदार तथा बेहतर स्टंट किए। आज यूट्यूब में उनके फॉलोअर्स की संख्या 24 करोड़ पहुंच गई है। टिकटॉक पर भी उनके 9 करोड़ से अधिक और इंस्टाग्राम पर चार करोड़ फॉलोअर्स हैं। साथ ही वह मेटा के नए सोशल ऐप पर 10 लाख फॉलोअर्स हासिल करने वाले वह पहले शख्स थे। उन्होंने मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग से पहले यह उपलब्धि हासिल कर ली थी। उन्होंने इस उपलब्धि हासिल करने का जश्न भी अपने अंदाज में मनाया और रेंडम तरीके से चुने गए एक फैन को टेस्ला की कार गिफ्ट की। आज उनकी मां ही उनका अकाउंट संभालती है।

बायजू कर्मचारियों को नहीं मिली फरवरी की सैलरी, मालिक बोले- हम पैसे देने में असमर्थ

नई दिल्ली, एजेंसी। एडुटेक कंपनी बायजू का संकट बढ़ता जा रहा है। बायजू के फाउंडर बायजू रवींद्रन और निवेशकों के बीच विवाद का असर अब कर्मचारियों पर भी पड़ने लगा है। बायजू रवींद्रन ने कहा कि निवेशकों के साथ विवाद के कारण बायजू अपने कर्मचारियों का वेतन देने में असमर्थ है। मतलब ये हुआ कि बायजू के कर्मचारियों को अपने फरवरी के वेतन के लिए इंतजार करना होगा।

रवींद्रन ने कहा कि कुछ निवेशकों की वजह से राइट्स इश्यू के माध्यम से जुटाई गई रकम को एक अलग खाते में रखा गया है। रवींद्रन ने आरोप लगाया कि निवेशकों का छोटा समूह निचले स्तर तक गिर गया है। हम आपकी मेहनत की कमाई का भुगतान करने के लिए जुटाए गए फंड का उपयोग करने में असमर्थ हैं।

BYJU'S
The Learning App

निवेशकों ने की कमाई: बायजू रवींद्रन के मुताबिक राइट्स इश्यू के माध्यम से जुटाई गई राशि वर्तमान में एक अलग खाते में बंद है। यह एक दुखद वास्तविकता है कि इनमें से कुछ निवेशकों ने पहले ही पर्याप्त मुनाफा कमा लिया है। इनमें से एक ने अपने शुरुआती निवेश से आठ गुना अधिक मुनाफा कमाया है। बायजू रवींद्रन ने अपने कर्मचारियों से कहा- हम अस्थायी रूप से आपको वह वित्तीय सहायता प्रदान करने में असमर्थ हैं जिसके आप हकदार हैं। हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि आपके वेतन का भुगतान 10 मार्च तक कर दिया जाए।

राइट्स इश्यू रोकने की मांग: बता दें कि बायजू के निवेशकों ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने अमेरिका में एक अस्पष्ट हेज फंड में 533 मिलियन अमेरिकी डॉलर की हेराफेरी की। इसके साथ ही 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर के राइट्स इश्यू पर रोक लगाने की मांग की है। निवेशकों का आरोप है कि यह राइट्स इश्यू अवैध और कानून के उलट है। एनसीएलटी ने भी बायजू को राइट्स इश्यू आगे बढ़ाने की सलाह दी थी। हालांकि, यह अनिवार्य नहीं किया था। ऐसे में बायजू ने अपना राइट्स इश्यू आगे बढ़ाने की बजाए 28 फरवरी को बंद कर दिया।

112 तक जाएगा यह शेयर, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जर बनाती है कंपनी, अडानी से भी मिला है काम

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग सॉल्यूशन प्रोवाइडर सर्वोटेक पावर सिस्टम के शेयर इन दिनों फोकस में हैं। कंपनी के शेयरों की अंतिम ट्रेडिंग 95.25 रुपये है। हाल ही में इसे हिंदुस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड (एचपीसीएल) से लगभग ?102 करोड़ का ऑर्डर मिला है और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) लिमिटेड से ?111 करोड़ का एक और ऑर्डर मिला है। सर्वोटेक के शेयर में बीते शनिवार को भारी बिकवाली रही। यह शेयर एनएसई पर 95.25 रुपये पर बंद हुआ। शेयर में 5 फीसदी का लोअर सर्किट लगा। इससे पहले शेयर ने छह फरवरी को 108.70 रुपये के 52 वीक हाई को टच किया। पिछले साल 29 मार्च को यह शेयर 16.48 रुपये के 52 वीक लो पर पहुंच गया था। हाल ही में सर्वोटेक पावर सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर को लेकर ब्रोकरेज ने एक टारगेट प्राइस दिया है।

अनंत-आकाश और इशा के पास रिलायंस के कितने शेयर, मुकेश अंबानी ने इस तरह किया है बंटवारा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत समेत दुनियाभर में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के बेटे अनंत और उनकी मंगेतर राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग सेशन की चर्चा हो रही है। दुनिया की तमाम बड़ी हस्तियों ने 3 दिन तक चलने वाले इस प्रोग्राम में हिस्सा लिया है। इस प्रोग्राम के दौरान अनंत अंबानी की स्पीच का वीडियो भी वायरल हो रहा है। इस स्पीच वीडियो में बेटे अनंत की बातें सुनकर मुकेश अंबानी बेहद भावुक नजर आ रहे हैं। बतौर पिता मुकेश अंबानी का अपने बच्चों- आकाश, इशा और अनंत अंबानी के लिए एक समान प्यार अकसर मीडिया की सुर्खियों में रहता है। पिछले साल ही

मुकेश अंबानी ने आकाश, इशा और अनंत अंबानी को रिलायंस इंडस्ट्रीज के निदेशक मंडल में शामिल करने का ऐलान किया था। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरहोल्डिंग पैटर्न को भी देखें तो तीनों भाई-बहन की बराबर शेयर हिस्सेदारी है।

किसके पास कितने शेयर

दिसंबर 2023 तक के रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के मुताबिक प्रमोटर्स के पास कंपनी में 50.30 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डिंग 49.70 फीसदी की है। प्रमोटर्स में अंबानी फैमिली के 6 लोगों में मुकेश अंबानी के अलावा उनकी मां कोकिलाबेन धीरू अंबानी, प प्रतिशती नीता अंबानी और बच्चे- इशा, आकाश और अनंत अंबानी शामिल हैं। मुकेश अंबानी के तीनों बच्चे यानी इशा, आकाश और अनंत अंबानी के पास रिलायंस इंडस्ट्रीज के एक समान 80,52,021 शेयर हैं।

ब्लेंडर्स प्राईड ग्लासवेयर सदैव फैशन में नैक्स्ट पेश करने में अग्रणी

फैशन, स्टाईल और म्यूज़िक में नैक्स्ट का अनुभव पाईये, ब्लेंडर्स प्राईड फैशन नैक्स्ट में, जो लेकर आ रहा है भारत का पहला फैशन फेस्टिवल

भोपाल। ब्लेंडर्स प्राईड ग्लासवेयर सदैव फैशन में नैक्स्ट पेश करने में अग्रणी रहा है। यह ऐसे अनुभव लेकर आता है, जिन्होंने पूरी पीढ़ी के स्टाईल को आकार दिया है। अब यह ब्रांड ब्लेंडर्स प्राईड फैशन नैक्स्ट फेस्टिवल के साथ आगे बढ़ रहा है, और फैशन को रनवे के दायरे से बढ़ाकर भारत के पहले फैशन फेस्टिवल तक ले जा रहा है।

फैशन नैक्स्ट फेस्टिवल की कल्पना स्टाईल की विकसित होती हुई दुनिया को पेश करने के ब्रांड के मंत्र के अनुरूप की गई है। इसमें भारत के सर्वश्रेष्ठ डिज़ाईनर्स और स्टाईलिश सेलिब्रिटीज़ फैशन का बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। अब एक नए अवतार में फैशन नैक्स्ट फेस्टिवल ब्रांड की स्टाइलिश दुनिया को नए शहरों के ग्राहकों तक ले जा रहा है, जिसकी शुरुआत पुणे से हुई है, और समापन मार्च, 2024 में भुवनेश्वर में हो रहा है। इस ब्रांड ने कुछ सबसे लोकप्रिय और चर्चित लाईफस्टाईल ब्रांड्स के साथ गठबंधन किया है, जो कई दिलचस्प अनुभव तैयार कर रहे हैं। इसका मिशन साफ है कि यह युवा और विकसित होते हुए भारत की पनपती भावनाओं को आधुनिक फैशन के अनुभवों से जोड़ना है, जो अभी तक चुनिंदा मेट्रो तक ही सीमित हैं।

इस फेस्टिवल ने अपने पहले संस्करण में विभिन्न शैलियों में सबसे आकर्षक ब्रांड्स के साथ शानदार गठबंधन कए हैं। उदाहरण के लिए नैशर माईल्स आधुनिक समय के यात्रियों के लिए एक फैशन एक्सेसरी ब्रांड है, जो हाल ही में शार्क टैंक इंडिया में आने के बाद सोशल मीडिया पर सुर्खियों में है। दूसरा दिलचस्प ब्रांड ऑल यू कैन स्ट्रीट है, जो एक स्ट्रीटवियर कलेक्टिव है। यह ग्राहकों को अपने परिधान को कस्टमाईज़ करने में मदद करने के लिए डीआईवाई स्टेशंस के साथ अनेक स्ट्रीटवियर ब्रांड लेकर आ रहा है। इसी प्रकार, बीयर्डो और माईग्लैम जैसे ब्रांड्स ग्रूमिंग और स्टाईलिंग स्टेशन लेकर आ रहे हैं, जिनमें स्टाईल एक्सपर्ट फेस्टिवल में आने वाले लोगों का स्टाईलिश मेकओवर कर देंगे। इसके अलावा, जॉन जैकब्स वर्चुअल ट्राई-ऑन्स द्वारा अपने अत्याधुनिक आईवियर का अनुभव प्रदान करने के लिए पॉप-अप्स स्थापित कर रहे हैं। डूडल मैपुल्स भी एक कायोस्क लगा रहे हैं, जिसमें कलाकार टी-शर्ट्स और स्निकर्स को फेस्टिवल जाने वालों के लिए स्केच और कस्टमाईज़ करेंगे। साथ ही ऑडी (पुणे) फेस्टिवल में अपने लेटेस्ट कलेक्शन का प्रदर्शन कर रहे हैं, जो आगंतुकों को लग्ज़री का अनुभव कराएगा। इन बेहतरीन स्टाईल के अनुभवों के साथ ही इसमें भुवनेश्वर में डिज़ाईनर नचिकेत बरवे और सान्या मल्होत्रा, पुणे में डिज़ाईनर वरुण बहल और अदिति राव हैदरी द्वारा फैशन शोकेज़ होंगे। इसके अलावा लोकप्रिय कलाकार जैसे रित्विज़ कायन, प्रोग्रेसिव ब्रदर्स और रबाब रंधावा शानदार संगीत प्रस्तुति देकर आगंतुकों के लिए पूरे दिन जश्न का माहौल बनाकर रखेंगे।

कुल मिलाकर, फैशन नैक्स्ट फेस्टिवल में फैशन, म्यूज़िक और टेक्नोलॉजी के बहुआयामी अनुभव होंगे। यह अपनी तरह का पहला कॉन्सेप्ट है, जो भारत के पहले फैशन फेस्टिवल के साथ फैशन, स्टाईल और ग्लैमर की हर चीज़ को परिभाषित कर रहा है।

पेरनोड रिकार्ड इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, कार्तिक मोहिंद्रा ने कहा, ''जहाँ हम भारत में फैशन के परिदृश्य का नेतृत्व कर रहे हैं, वहीं ब्लेंडर्स प्राईड फैशन नैक्स्ट फेस्टिवल्स एक आकर्षक नया फॉर्मेट लेकर आया है, जो हमारे अनुभवों को नए शहरों में ले जा रहा है। हम इन शानदार ब्रांड्स के साथ गठबंधन करके उत्साहित हैं, जो स्टाईल और ग्लैमर की दुनिया का गेटवे बनने के हमारे मिशन के साथी हैं।''

श्रुति केडिया डागा, को-फाउंडर एवं सीएमओ, नाशेर माईल्स ने कहा, ''हम भुवनेश्वर और पुणे में ब्लेंडर्स प्राईड ग्लासवेयर फैशन नैक्स्ट फेस्टिवल के पहले संस्करण में स्टाईल 360 ब्रांड पॉप-अप ज़ोन का हिस्सा बनकर उत्साहित हैं। इस गठबंधन से भारतीय यात्रियों का स्टाईल बेहतर बनाने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। नाशेर माईल्स में हमारा विश्वास है कि हर सफर स्टाईल और फंक्शनलिटी का प्रदर्शन करने का अवसर होता है, और यह पार्टनरशिप हमें यात्रा के अनुभव को परिभाषित करने में समर्थ बना रही है। यश शेट्टी और अभिषेक गांधी - को-फाउंडर, ऑल यू कैन स्ट्रीट ने कहा, ''सबसे बड़े प्रीमियर प्रोग्रेसिव फैशन फेस्टिवल के रूप में हम विभिन्न ब्रांड्स का संग्रह तैयार करते हैं। लेकिन इस बार भुवनेश्वर और पुणे में ब्लेंडर्स प्राईड ग्लासवेयर फैशन नैक्स्ट फेस्टिवल के लिए हमने ब्रांड्स का एक एक्सक्लुसिव संग्रह तैयार किया है, जो फैशन उद्योग में हलचल मचा रहा है। मेरा मानना है कि ब्लेंडर्स प्राईड ग्लासवेयर फैशन नैक्स्ट फेस्टिवल और ऑल यू कैन स्ट्रीट मिलकर आपको बिल्कुल नया फैशन का संग्रह पेश कर रहे हैं, जो विपरीत ग्राहकों को भारत में मुख्य धारा के फैशन में लेकर आ रहा है।

कई देश भारत के साथ रुपए में व्यापार शुरू करने को इच्छुक: सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि कई देश रुपए में व्यापार शुरू करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की बुनियाद मजबूत है और भारतीय मुद्रा ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले लगभग स्थिर है। सीतारमण ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में पंडित हृदय नाथ कुंजरू मेमोरियल व्याख्यान 2024 में कहा कि भारत ने निजी निवेश के लिए हर क्षेत्र को खोल दिया है।

देश नए साधनों का इस्तेमाल करके कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और विनिर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों को राजकोषीय और नीतिगत समर्थन देगा। उन्होंने कहा, अमेरिकी डॉलर को छोड़कर, जिसमें अस्थिरता थी, भारतीय रुपया ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले स्थिर रहा है। भारतीय रुपया कई अन्य मुद्राओं की तुलना में

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कहीं अधिक स्थिर रहा है। सीतारमण ने अपने पूर्व संस्थान में छात्रों और प्राध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह वजह है कि आज कई देश रुपए में व्यापार करना चाहते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में, जेएनयू ने मुझे अखिल भारतीय अनुभव दिया। इससे मुझे एक विद्यार्थी के रूप में बेहतर बनने में मदद मिली। यह पुरानी यादों को ताजा करने वाली यात्रा थी। सीतारमण ने जेएनयू में स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज और स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज से क्रमशः एमए और एमफिल किया है। उन्होंने कहा कि रुपए के व्यापार में शुरुआती समस्याएं हो सकती हैं लेकिन इससे डॉलर की कमी वाले देशों को मदद मिल रही है। मंत्री ने कहा कि जी20 या संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंच अब संस्थानों में सुधार के लिए भारत की बात सुन रहे हैं।